राजस्थान पत्रिका 09.10.13

तातेड़ के ग्रंथों का विमोचन

उत्तराखंड के राज्यपाल और उच्च शिक्षा मंत्री ने किया विमोचन

जोधपुर. इंडियन फिलोसॉफीकल कांग्रेस के हरिद्वार में आयोजित 87वें अधिवेशन में जोधपुर के साहित्याकार और सिंघानिया विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. सोहनराज तातेड़ के 'अभिनंदन ग्रंथों' का विमोचन किया गया।

विमोचन उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी और उच्च शिक्षा मंत्री नाथानीजी ने किया।

तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन

जलतेदीप, 09.10.13

जोधपुर, 8 अक्टूबर (कासं)। पिछले पांच दशकों से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय समाज सेवा को मध्य नजर रखते हुए 09 राष्ट्रीय गैरसरकारी संस्थाओं तथा भारत से 130 शिक्षाविदों द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में रचित जोधपुर के साहित्यकार प्रो. सोहनराज तातेड के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरेशी एवं उच्च शिक्षा मंत्री नाथानीजी द्वारा उत्तराखंड संस्कृत विवि हरिद्वार, में इंडियन फिलोसॉफीकल कांग्रेस के 87 वें अधिवेशन में किया गया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रो.तातेड़ को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए पदमश्री एवार्ड दिए जाने हेतु अनुशंषा की जा चुकी है।

सिंधानिया विवि के पूर्व कुलपति प्रो.डॉ. तातेड़ द्वारा रचित योग दर्शन शिक्षा विषयक 60 शोध ग्रंथ भारत की 100 प्रतिष्ठित विवि में लंबे अर्से से पढाए जा रहे है। डॉ तातेड़ 50 राजकीय एवं गैरराजकीय राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए हैं। आपको पिछले 50 वर्षो से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभी तक 23 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एवार्डो से नवाजा जा चुका है।

दैनिक नवज्योति 09.10.13

प्रो.तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन

जोधपुर। साहित्यकार एवं सिंघानिया विश्वविद्यालय राजस्थान के पूर्व कुलपति प्रो.सोहनराज तातेड़ द्वारा गत पांच दशकों में शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही सेवाओं के मद्देनजर 9 राष्ट्रीय गैर सरकारी संस्थाओं तथा पूरे भारत से 130 शिक्षाविदों द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में रचित प्रो.(डॉ.) सोहनराज तातेड़ अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन किया गया। यह विमोचन उत्तराखंड के राज्यपाल अजीज कुरैशी तथा उत्तराखंड के ही उच्च शिक्षा मंत्री नाथानी द्वारा उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार उत्तराखंड में इंडियन फिलोसॉफिकल कांग्रेस के 87वें अधिवेशन में किया गया। उल्लेखनीय है कि राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार की ओर से प्रो.तातेड़ को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए पद्मश्री अवार्ड दिए जाने के लिए अनुंशषा भी की जा चुकी है। प्रो.तातेड़ द्वारा रचित योग दर्शन शिक्षा विषयक 60 शोध ग्रंथ भारत के अनेक विश्वविद्यालयों में पढ़ाए जा रहे हैं।

दैनिक भास्कर 11 Oct. 13

प्रो. सोहनराज तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन

सिंघानिया विवि के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) सोहनराज तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का हरिद्वार के उत्तराखंड संस्कृत विवि में आयोजित इंडियन फिलोसॉफिकल कांग्रेस के अधिवेशन में विमोचन किया गया। साहित्य के क्षेत्र में उनके द्वारा दी जा रही उल्लेखनीय सेवा के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो. तातेड़ के योग दर्शन विषयक 60 शोध ग्रंथ देश के 100 प्रतिष्ठित विवि में पढ़ाए जा रहे हैं। वे 50 राजकीय व गैर राजकीय राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए हैं। उन्हें 23 राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय अवार्ड दिए जा चुके हैं।

प्रो. तातेड़ के अभिनदंन ग्रंथों का विमोचन

मरुलहर, 10 अक्टूबर 13

मरुलहर न्यूज

बालोतरा। जसोल के मूल निवासी जाने-माने विद्वान एवं साहित्यकार प्रो. सोहनराज तातेड़ पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय राजस्थान द्वारा पिछले पांच दशकों से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय समाज सेवा को मद्देनजर रखते हुए 9 राष्ट्रीय गैर सरकारी संस्थाओं तथा पूरे भारत से 130 शिक्षाविदो द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी में रचित प्रो. तातेड़ अभिनदं ग्रंथों का विमोचन उत्तराखण्ड प्रदेश के राज्यपाल अजीज कुरेशी एवं वहां के उच्च शिक्षा मंत्री नाथानीजी द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में इंडियन फिलोसोंफीकल कांग्रेस के 87वें अधिवेशन में विमोचन किया गया। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रो. तातेड़ को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए पदम् श्री अवार्ड दिए जाने के लिए अनुशंषा की जा चुकी है। अणुव्रत महासमिति क्षेत्रीय प्रभारी ओम बांठिया ने प्रो. तातेड़ के अभिनदंन ग्रंथों एवं उनका राज्यपाल द्वारा विमोचन पर सिंवाची मालाणी क्षेत्र की ओर से हर्ष व्यक्त किया है। डॉ. तातेड़ 50 राजकीय एवं गैर राजकीय एवं अंतराष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए है। उनको पिछले 50 वर्षो से शिक्षा (शेष पृष्ठ 7 पर ...)

प्रो. तातेड़ के ...

एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभी तक 23 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अवार्डो से नवाजा जा चुका है।

---

(1)

उत्तराखंड राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री द्वारा प्रो० तातेड़ अभिनंदन ग्रन्थ का विमोचन

उत्तराखंड राज्यपाल एवं शिक्षा मंत्री द्वारा प्रो० तातेड़ के अभिनंदन ग्रन्थ का विमोचन

प्रो. तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन

मरु मेघ, 10 अक्टूबर 13

बालोतरा। जसोल के मूल निवासी जाने-माने विद्वान एवं साहित्यकार प्रो. सोहनराज तातेड़ पूर्व कुलपति सिंघानिया विश्वविद्यालय राजस्थान द्वारा पिछले पांच दशकों से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय समाज सेवा को मद्देनजर रखते हुए 9 राष्ट्रीय गैर सरकारी संस्थाओं तथा पूरे भारत से 130 शिक्षाविदो द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी में रचित प्रो. तातेड़ अभिनंद ग्रंथों का विमोचन उत्तराखण्ड प्रदेश के राज्यपाल अजीज कुरेशी एवं वहां के उच्च शिक्षा मंत्री नाथानीजी द्वारा उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार में इंडियन फिलोसोफीकल कांग्रेस के 87वें अधिवेशन में विमोचन किया गया।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रो. तातेड़ को शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में विशिष्ट सेवाओं के लिए पदम् श्री अवार्ड दिए जाने के लिए अनुशंषा की जा चुकी है।

अणुव्रत महासमिति क्षेत्रीय प्रभारी ओम बांठिया ने प्रो. तातेड़ के अभिनदंन ग्रंथों एवं उनका राज्यपाल द्वारा विमोचन पर सिंवाची मालाणी क्षेत्र की ओर से हर्ष व्यक्त किया है।

डॉ. तातेड़ 50 राजकीय एवं गैर राजकीय एवं अंर्तराष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए है। उनको पिछले 50 वर्षो से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही उल्लेखनीय सेवाओं के लिए अभी तक 23 राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय अवार्डो से नवाजा जा चुका है।

अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन

दैनिक नवज्योति, 10 अक्टूबर 13

बालोतरा। हरिद्वार के संस्कृत विश्वविद्यालय में इंडियन फिलोसॉफिकल कांग्रेस के 87 वें अधिवेशन में उत्तराखंड प्रदेश के राज्यपाल अजीज कुरेशी व उच्च शिक्षा मंत्री नाथानी द्वारा पूरे भारत से 130 शिक्षाविदों द्वारा हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में रचित प्रो. व डॉ. सोहनराज तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथो का विमोचन किया गया। प्रो. सोहनराज तातेड़ के अभिनंदन ग्रंथों का विमोचन होने पर अणुव्रत महासमिति क्षेत्रीय प्रभारी ओम बाठियां ने हर्ष व्यक्त किया। बाठियां ने बताया कि जसोल के मूल निवासी जाने वाले प्रो. तातेड़ द्वारा रचित योग दर्शन शिक्षा विषयक 60 शोध ग्रन्थ भारत की 100 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में लंबे अर्से से पढ़ाए जा रहे हैं। प्रो. तातेड़ 50 राजकीय एवं गैरराजकीय राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से मानद सेवा के रूप में जुड़े हुए हैं। तातेड़ के 50 वर्षों से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में दी जा रही सेवाओं के लिए अभी तक राजस्थान सरकार एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पदमश्री एवार्ड एवं 23 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एवार्डो से नवाजा जा चुका है।